मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

# (ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

## केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर– 342003

**दिनांक: 06 जनवरी 2015**

# जोधपुर

**जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान**

| मौसमी तत्व / दिनांक | 06-01-14 | 07-01-14 | 08-01-15 | 09-01-15 | 10-01-15 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मि.मी.) | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 |
| अधिकतम तापमान (°सेल्सियस) | 27 | 26 | 25 | 25 | 26 |
| न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस) | 8 | 8 | 7 | 7 | 7 |
| बादलों की स्थिति (ओक्टा) | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह | 78 | 74 | 72 | 70 | 68 |
| सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम | 32 | 28 | 24 | 22 | 20 |
| हवा की गति (कि.मी/घंटा) | 3 | 9 | 8 | 4 | 3 |
| हवा की दिशा | दक्षिण–पश्चिम | पूर्व–उत्तर–पूर्व | पूर्व | पूर्व–दक्षिण–पूर्व | पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम |

**मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाह:**

जीरा, मेथी, धनियां व मटर की फसल में छाछ्या रोग का प्रकोप दिखाई देने पर 25 किलो गन्धक के चूर्ण का भुरकाव करें।

ईसबगोल की फसल में पत्ती धब्बा रोग का प्रकोप होने पर मैन्कोजेब या रिडोमिल एम. जेड का 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।

किसान भाई रिजका व बरसीम की फसल में 15–20 दिन के अंतराल पर सिंचाई करें व सब्जी वर्गीय एवं फलदार पौधो में सिंचाई दें।

टमाटर में फल छेदक कीट के उपचार के लिए मैंलाथियान 2 प्रतिशत का छिड़काव करें।

पशु आहार में हरे चारे की मात्रा नियंत्रित रखें व सूखे चारे की मात्रा भी मिलाकर दें। पशु के सम्पूर्ण विकास के लिए 50 से 60 ग्राम खनिज–लवण मिश्रण प्रति दिन दें।